

उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी का कार्यालय गुमला।
(विधि शाखा)

अधिहरण (Confiscation) वाद सं०-०३/२०२३-२४

सरकार
-बनाम-
जितवाहन उरॉव वगै०
आ दे श

पुलिस अधीक्षक, गुमला ने पत्रांक -९१०/अप०शा० दिनांक -०५.०४.२०२३ के द्वारा वादी रामनाथ राय पिता-भवसागर राय सा०-नारायणपुर थाना-तरैया जिला-छपरा (बिहार) वर्तमान जिला खनन पदाधिकारी गुमला के लिखित आवेदन के आधार पर भरनों थाना काण्ड सं०-०५/२०२३ दिनांक-११.०२.२०२३ धारा-३७९/४११/३४ भा०द०वि० २१ खान एवं खनिज (विकास, विनियमन) अधिनियम-१९५७, ५४ झारखण्ड लघु खनिज समनुदान नियमावली २००४ एवं १३ झारखण्ड खनिज (अवैध खनन पर रोक, परिवहन और भण्डारण) नियम-२०१७ के तहत अवैध रूप से बालू का उत्खनन कर ट्रैक्टर से परिवहन एवं व्यवसाय करने के आरोप में जप्त ट्रैक्टर रजि० सं० -JH07J-4356 के मालिक जितवाहन उरॉव पे०-ढुढा उरॉव सा०-पडरानी (शिवनाथपुर) थाना-सिसई जिला-गुमला एवं ट्रैक्टर रजि० सं० -JH01DW-8526 के मालिक मुन्ना सोनी पे०-सहदेव साहु सा०-बरगॉव थाना-सिसई जिला-गुमला के विरुद्ध राजसात करने का प्रस्ताव प्राप्त है।

पुलिस अधीक्षक, गुमला के प्रतिवेदन में अंकित है कि जिला खनन पदाधिकारी के लिखित आवेदन के आधार पर प्राथमिक अभियुक्त जप्त ट्रैक्टर रजि० सं० -JH07J-4356 के मालिक जितवाहन उरॉव पे०-ढुढा उरॉव सा०-पडरानी (शिवनाथपुर) थाना-सिसई जिला-गुमला एवं ट्रैक्टर रजि० सं० -JH01DW-8526 के मालिक मुन्ना सोनी पे०-सहदेव साहु सा०-बरगॉव थाना-सिसई जिला-गुमला के विरुद्ध अवैध रूप से बालू का उत्खनन कर ट्रैक्टर से परिवहन एवं व्यवसाय करने के आरोप में अंकित किया गया है एवं इस कांड के विरुद्ध झारखण्ड लघु खनिज समनुदान नियमावली-२००४ (यथा) संशोधित) के नियम-४ एवं ५४ MMDR Act, 1957 के धारा-४ एवं २१ तथा Jharkhand Minerals Prevention of Illegal Mining Transportation and Storage Rules-2017 के नियम-७ एवं १३ के तहत मालिक के विरुद्ध सत्य पाया गया है।

पुलिस अधीक्षक गुमला से प्राप्त प्रतिवेदन का अवलोकन किया गया। उत्तरवादीगण को पक्ष रखने हेतु नोटिस निर्गत किया गया। उत्तरवादीगण द्वारा लगातार अनुपस्थित रहने के कारण उनके पक्ष को नहीं सुना गया। पुलिस अधीक्षक, गुमला के प्रतिवेदन से स्पष्ट है कि जप्त ट्रैक्टर रजि० सं० -JH07J-4356 एवं ट्रैक्टर रजि० सं० -JH01DW-8526 के द्वारा अवैध रूप से बालू का उत्खनन कर ट्रैक्टर से परिवहन एवं व्यवसाय करने के आरोप को सत्य पाया गया है।

The Jharkhand Minerals (Prevention of Illegal Mining, Transportation and Storage) 2017 के Rule 7 में यह अंकित है कि:-

(1) "No person other than a dealer or a mining lease holder shall buy or store or sell or offer for sale or engage in any transaction of buying, selling, processing any mineral at any place or transport mineral for commercial gain without being registered as a dealer."

(2) Rule 11 (V) के अनुसार Any minerals tool equipment, vehicle or any thing seized shall be liable to be confiscated by an order of the court of the Deputy Commissioner of the concerned district and shall be disposed of in accordance with direction of such court.

(3) National Green Tribunal Principal Bench New Delhi के मूल आवेदन सं०-360/2015 प्रतिवेदित तिथि 15.01.2021 में यह अभिकथन किया गया है कि "Another issue bearing on the enforcement mechanism is the action against the vehicles used in illegal sand mining. Seizure of such vehicles is required and release of seized vehicles lightly defeats the purpose of the coercive measures. Since the vehicles are in a way weapon of offence, the same cannot be dealt with in the manner disputed property is dealt with under section 451 Cr.PC. by releasing the same in favour of the ostensible owner by taking an entrustment /indemnity bond/sapurdginama. In Sujit Kumar Rana"

अंकनीय है कि इस तरह के मामलों में उपयोग किये जाने वाले वाहन एवं डाला में पंजीकरण संख्या नहीं रहती है, तथा वाहनों से संबंधित वैध कागजात नहीं होने के कारण उसको अवैध रूप से परिवहन कार्य कराया जाता है। जिससे यह प्रतीत होता है कि जप्त पत्थर एवं वाहन का परिवहन माईनिंग प्रावधानों के विरुद्ध किया गया है।

अतः उपरोक्त तथ्यों एवं परिस्थितियों पर विचारोपरान्त तथा N.G.T. न्यायालय नई दिल्ली के निर्णय के आलोक में उक्त जप्त बालू एवं जप्त ट्रैक्टर रजि० सं० -JH07J-4356 एवं ट्रैक्टर रजि० सं० -JH01DW-8526 को राजसात करता हूँ।

आदेश के प्रति सभी संबंधित अधिकारी को दे।

लेखापित एवं संशोधित

12.05.23
उपायुक्त,
गुमला

12.05.23
उपायुक्त,
गुमला